ब्रेकथ्रू की विडियो वैन रवाना
किशोर-किशोरियों की शिक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दे पर करेगी जागरुक

लखनऊ/मोहनलालगंज,शुक्रवार,24 मार्च 2017, मानवाधिकार और महिला हिंसा के मुद्दे पर काम करने वाली स्वंयसेवी संस्था ब्रेकथ्रू ने आज मोहनलालगंज ब्लाक से अपनी वीडियो वैन के सफर का आग़ाज़ किया।वीडियो वैन का उद्घाटन जिला पंचायती राज अधिकारी उमा शंकर मिश्रा ने फीता काटकर किया।यह वीडियो वैन दस दिनों तक मोहनलालगंज के विभिन्न इलाक़ों में जाकर समुदाय को, किशोर-किशोरियों की शिक्षा व स्वास्थ्य के मुद्दे पर जागरुक करेगी।इस मौक़े पर एडीओ के.के शुक्ला,सीनियर सुपरवाइजर मधु शुक्ला,हेल्थ एजुकेशन ऑफीसर शादिया अंसारी भी मौजूद रही।

इस अवसर पर ब्रेकथ्रू की राज्य प्रमुख(उत्तर प्रदेश) कृति प्रकाश ने बताया कि ब्रेकथ्रू लंबें समय से महिलाओं से जुड़े मुद्दे पर काम कर रही है।काम के इस सफ़र के दौरान हमें अनुभव हुआ कि भारत में जहाँ 65 फ़ीसदी आबादी युवा है,जिसमें किशोरियों की संख्या लगभग 22 फीसदी हैं। ऐसे में हमें इनके बीच काम करने की ज़रूरत है क्योंकि यह हमारे देश,समाज का भविष्य है अगर इनकी शिक्षा और स्वास्थ्य मुक्कमल रहे तो हम एक ऐसे समाज की कल्पना कर सकते है जहाँ लड़का-लड़की के नाम पर भेद न हो और दोनों को बराबरी का दर्जा मिले।
बतौर मुख्य अतिथि मौजूद जिला पंचायतीराज अधिकारी(डीपीआरओ) उमा शंकर मिश्रा ने कहा युवा देश का कल हैं ऐसे में हमें ज़िम्मेदार अभिभावक की ज़िम्मेदारी लेनी होगी क्योंकि किसी भी देश, समाज का निर्माण वहां के युवा करते हैं और हम अगर बिना भेदभाव वाला समाज बनाना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों को पढ़ाना होगा उन्हें उड़ने के लिए खुला आसमान देना होगा,उन्हें अपना भविष्य चुनने के लिए आज़ादी देनी होगी और बेटे और बेटी के भेद से परे उठकर सोचना होगा और आप सब यह कर सकते है।ब्रेकथ्रू इस मुद्दे को लेकर जो दीपक जलाया है आप उसमें अपने प्रयासों का तेल डालकर उस दीपक को हमेशा रोशन रख सकते हैं।इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता की शपथ भी दिलाई।

एडीओ के.के शुक्ला ने ब्रेकथ्रू प्रयास की तारीफ करते हुए लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सफर अभी शुरू हुआ है जिसे अपने मुकाम तक पहुंचाने के लिए आप सभी का साथ चाहिए।
इस अवसर पर ब्रेकथ्रू की वरिष्ठ समन्वयक अर्चना सिंह ने कहा कि हमारे सर्वे के मुताबिक स्कूल में बच्चों का नामांकन तो हो जाता है लेकिन वो स्कूल नही जाते,लड़कियों के मामले में स्थित ज़्यादा गंभीर है उनका ड्राप आउट रेट बहुत अधिक है,इसकी एक बड़ी वजह सुरक्षा के साथ ही बेटियों का दूसरे की घर से इज़्ज़त से जोड़ कर देखा जाना है।इसलिए अकसर हम देखते हैं कि कम उम्र में उसकी शादी कर दी जाती है।जिसका बुरा असर उसके स्वास्थ्य पर पड़ता है और कम उम्र में वैवाहिक दायित्व निभाने और माँ बनने की वजह से भी कई बार उन्हें इसकी क़ीमत अपनी जान दे कर चुकानी पड़ती है।कई स्कूलों में अभी भी टॉयलेट की बेहतर व्यवस्था नही इस वजह से भी ख़ासतौर से लड़कियों को स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।ज़रूरी है समुदाय इस मुद्दे पर आगे बढ़ कर अपने बच्चों को पढ़ाये और बेटियाँ को अपना भविष्य सँवारने दें।
कार्यक्रम का संचालन कर रही ब्रेकथ्रू की कम्युनिटी मोबलाइजर माला ने कहा कि यह एक प्रयास है जिसे आप सब के साथ की ज़रूरत है क्योंकि कारवाँ आप के साथ मिल कर ही बनेगा इसलिए

आइये हम सब अपनी बेटियों और बेटों को पढ़ाये और उन्हें बेहतर समाज के निर्माण में अपना सहयोग करने दें।
ब्रेकथ्रू की श्वेता मिश्रा ने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सब की मौजूदगी हमें इस मुद्दे को लेकर और मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है, उम्मीद है कि आगे भी अपना सहयोग देतें रहगें।
इस दौरान **'रश्मी मैट्रिक पास'** नाम की एक लघु फ़िल्म दिखाई गई जिसमें एक बेटी के मैट्रिक पास करने का सपना पिता कैसे पूरा करता है यह दिखाया गया था।साथ ही मुद्दे पर आधारित खेल व नुक्कड़ नाटक से भी समुदाय के साथ संवाद कर मुद्दे के प्रति जागरुक किया गया।
कार्यक्रम में ब्रेकथ्रू से आलोक, सुनील, मनीष, पुष्कर, सुप्रिया, महेन्द्र और विनीत, चाइल्ड लाइन से कोआर्डीनेटर अमरेंद्र कुमार सहित काफ़ी संख्या एएनएम, आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर मौजूद रहीं।

ब्रेकथ्रू के बारे में –
ब्रेकथ्रू एक मानवाधिकार संस्था है जो महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ होने वाली हिंसा और भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम करती है।
कला, मीडिया, लोकप्रिय संस्कृति और सामुदायिक भागेदारी से हम लोगों को एक ऐसी दुनिया बनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिसमें हर कोई सम्मान, समानता और न्याय के साथ रह सके।
हम मल्टीमीडिया अभियानों के माध्यम से मानवाधिकार से जुडें मुद्दों को मुख्य धारा में ला रहे हैं।इसे देश भर के समुदाय और व्यक्तियों के लिए प्रासंगिक बना रहे हैं।इसके साथ ही हम युवाओं, सरकारी अधिकारियों और सामुदायिक समूहों को प्रशिक्षण भी देते हैं, जिससे एक नई ब्रेकथ्रू जेनरेशन सामने आए जो अपने आस-पास की दुनिया में बदलाव ला सके।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-
विनीत त्रिपाठी,
ब्रेकथ्रू,
9792267809